जीवन का जाल

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 156)

➢ अब तक तुमने करीब-करीब यह पूरी किताब पढ़ ली होगी। तुमने पेड़-पौधों, जानवरों, पानी, घर, वाहनों तथा और भी कई चीजों के बारे में पढ़ा और सोचा। क्या तुम बता सकते हो कि हमने इन चीजों के बारे में कुछ जानने और सोचने की कोशिश क्यों की?

उत्तर हमारा जीवन इन सारी चीजों पर निर्भर करता है—जैसे कि पेड़, पानी, घर, जानवर, गाड़ियाँ और कई अन्य चीजें। इसलिये हमने इन सारी चीजों के बारे में जानने और सोचने की कोशिश की।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 157-158)

➢ हमारा चित्र में दिखाई चीजों से क्या नाता है? चलो पता लगाएँ—

(क) सबसे पहले दी गई खाली जगह में अपना चित्र बनाओ।

(ख) अब अपने चित्र से एक लाइन खींचकर उन चीजों से जोड़ो जो तुम्हें अपने जीने के लिए बहुत जरूरी लगती हैं।

उत्तर

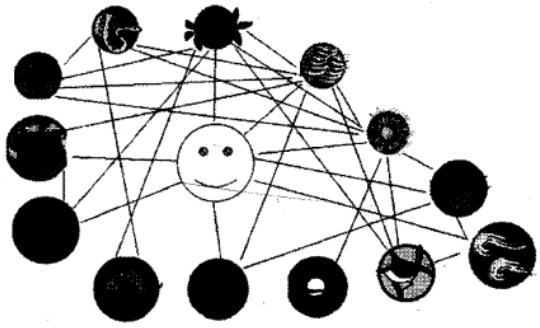

➢ क्या तुमने खुद को 'घर' से जोड़ा है?

उत्तर हाँ।

➢ यह जाल देखकर तुम क्या समझे?

उत्तर यह जाल दिखाता है कि लगभग सारी चीजें हमारे लिए जरूरी हैं। हर चीजें एक दूसरे पर निर्भर करती हैं।

➢ तुमने जो जाल बनाया है उसे अपने दोस्तों को दिखाओ और उनका बनाया हुआ जाल भी देखो। क्या सब एक जैसे हैं?

उत्तर हाँ, सभी जाल लगभग एक जैसे हैं।